

14.8.24

बा-पात आवील लकवाते के वास भी न ल  
कभी न ही कभी अधिकतर उभय कभी ल  
16/2/22 से लकवा में विचारणीय है आधिकार  
तक समान प्रेश गरी मिले गये है कर  
पत्रा कम समीक कम एपरी कम प्रती  
में खासि की लकी है पत्रा फलक  
कम की लकी गेक. है कम की लकी  
वास पावला वापिल हस्त है

(सुनिश्चित RAS)

शु. प्रबन्ध अधिकारी  
पदेन  
राजस्थान अपील प्राधिकारी  
भरतपुर (राज.)